10 सितम्बर 2016 को जबलपुर, मध्यप्रदेश में सांसद श्री राकेश सिंह जी द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र में दो साल की उपलब्धियों पर छपी पुस्तक ''कार्यवृत्त'' के विमोचन के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

1. आज यहां जबलपुर क्षेत्र के माननीय सांसद श्री राकेश सिंह जी द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र में दो साल में किए गए कार्यों के विवरण के रूप में छपी पुस्तक ''कार्यवृत्त'' के विमोचन के अवसर पर आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

2. आज के समय में जब सांसदों के कार्यों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किए जाने की परम्परा चली है जो बहुत सकारात्मक है और इससे जनता को अपने जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए कार्यों के बारे में पता चलता है। यह जानकारी प्रस्तुत करने के साथ–साथ शासन में पारदर्शिता को भी इंगित करता है जो एक जागरूक लोकतंत्र का परिचायक है। वर्तमान में विश्व के सबसे बड़े कार्यशील लोकतंत्र के रूप में भारत को दूर–दूर से प्रशंसा मिल रही है। देश एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। इसके लिए ऐसे छोटे–छोटे सम्मिलित प्रयास ''मील का पत्थर' सिद्ध हो सकते हैं।

3. आज हमारे देश में हो रहे सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन से विभिन्न प्रकार के अवसर व चुनौतियां सामने आईं हैं जिनका उपयोग व प्रबंधन सभी संबंधित लोगों द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया जाना चाहिए। संसद सदस्यों के पास कई जिम्मेदारियां होती हैं। एक ओर जहां लोक सभा में नीतियों के निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती हैं, दूसरी ओर उन जिम्मेदारियों को निभाते हुए उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, पुल, पुलियों के निर्माण के साथ ही बड़े–बड़े निर्माण कार्य के लिए पहल करना होता है। उन्हें एक वार्ड स्तर के विकास कार्य से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के कार्यों में भी अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होती है। राकेश सिंह जी लोक सभा में भारतीय जनता पार्टी के चीफ व्हिप हैं तथा कोयला एवं इस्पात संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष भी हैं। भारत की जनता के हित में अपनी भूमिका का निर्वहन पूरी पारदर्शिता के साथ कर रहे हैं। इतनी व्यस्तता के बावजूद, उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा है, जो प्रेरणादायी है।

4. मैं भी प्रतिवर्ष अपने संसदीय क्षेत्र में किए गए कार्यों का लेखा–जोखा ''बानगी'' के माध्यम से जनता के समक्ष प्रस्तुत करती हूं। जनहित के जो भी कार्य संसद सदस्यों द्वारा किए जाते हैं, उनको जनता के समक्ष प्रस्तुत करने से संसद सदस्य और जनता के बीच अंतरसंवाद स्थापित होता है एवं आपसी विश्वास में बढ़ोत्तरी होती है।

5. हमारा देश एक कल्याणकारी राज्य है और अन्त्योदय हमारा संकल्प है। सामाजिक एवं आर्थिक नीतियों का लाभ पंक्ति में खड़े अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचे, इस भावना से काम करने में प्रत्येक संसद सदस्य की भूमिका अहम है। यदि किसी लोकतंत्र को सफल होना है तो हमें एक वास्तविकता के धरातल पर कार्य करना होगा। आम आदमी के जीवनयापन की गुणवत्ता में सुधार लाना होगा। लोकतंत्र में जांच की भूमिका एवं मौलिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना होता है। एक जीवन्त और सफल लोकतंत्र में सिर्फ कुछ लोगों की आर्थिक सम्पन्नता व उन्नति पर्याप्त नहीं। हमें इस सम्पन्नता और खुशियों को देश के कोने–कोने में फैलाना होगा।

6. आपने अपने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से विकास हेतु जो भी धनराशि जारी की है, उसका विस्तृत विवरण इस पुस्तक में है। यह एक सांसद के रूप में आपकी संवेदनशीलता का परिचायक है। वास्तव में, यह जनता के हितों को प्रतिबिम्बित करता है। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि हम यह जानें कि एक संसद सदस्य के रूप में कौन–सा काम हमें करना चाहिए और किस कार्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

7. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जल संरक्षण अत्यन्त महत्वपूर्ण कारक है। आने वाले समय में जल के लिए विश्व युद्ध तक होने का अंदेशा लगाया जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में, जबलपुर में जहां बहुत सारे तालाब हैं, जिनका संरक्षण किया जाना मैं बहुत आवश्यक समझती हूं। अभी बीती गर्मी में लातूर में जल की बेहद कमी हो गई थी और जलापूर्ति के लिए रेलगाड़ी से टैंकरों में भरकर जल की व्यवस्था करनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार मानसून की बारिश अच्छी होने की वजह से भूमिगत जल के स्तर में संतोषजनक बढ़ोत्तरी हुई है। परंतु, दीर्घकालीन हित में हमें वर्षा जल के संरक्षण के विषय में भी गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है।

8. आम आदमी के मुद्दों एवं उनकी चिन्ताओं का समाधान ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति से किया जा सकता है। इस पुस्तक के अध्ययन के पश्चात् लोगों में यह सोच बनेगी। वे अपने विचार एवं राजनीतिक इच्छा शक्ति को एक करके कोई नई व्यवस्था की खोज करने में सक्षम हो सकते हैं। सभी स्थानीय क्षेत्र के विकास के लिए कोई एक Thumb Rule नहीं हो सकता है। प्रत्येक क्षेत्र की कुछ मौलिक स्थानीय समस्याएं होती हैं। उनका स्थानीय स्तर पर समाधान किया जा सकता है। तात्पर्य यह है कि किसी भी समस्या के लिए कोई fundamental and innovative solution खोजा जा सकता है।

9. जैसा कि हम सब अवगत है कि वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में SDG (Sustainable Development Goals) की प्राप्ति का लक्ष्य सन् 2030 तक निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों का उद्देश्य अगले 15 सालों में गरीबी और भूख को समाप्त करना, लिंग समानता सुनिश्चित करने के अलावा पर्यावरण एवं जलवायु की सुरक्षा के साथ–साथ सभी को सम्मानित जीवन जीने का अवसर उपलब्ध कराना है। सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में हमें अपने पर्यावरण को भी सहेजकर रखना है। Sustainable Development Goals के 17 लक्ष्यों और 169 टारगेट की प्राप्ति के लिए राजनीतिक जनप्रतिनिधियों, विशेषकर, सांसदों, विधायकों और पार्षदों की ओर से सक्रिय प्रयास अत्यन्त आवश्यक हैं। चूंकि जनप्रतिनिधि ही समाज के हितों और सरोकारों का ध्यान रखते हैं एवं नवीन कार्यों का नेतृत्व करते हैं, इसलिए उनके कन्धों पर बड़ी जिम्मेदारियां हैं। इसी से हम सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय के मार्ग पर हर दृष्टि से सफल हो पाएंगे। मुझे ऐसा लगता है कि गांधी जी का यह कथन देश के विकास के लिए काम कर रहे नीति निर्धारकों एवं जनसामान्य, सभी के मन में होना चाहिए– "There is enough for everybody's need and not for anybody's greed".

10. एक स्वर्णिम इतिहास संजोए जबलपुर सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर एक प्रगतिशील शहर है। यहां पर विकास की कई संभावनाएं हैं। नर्मदा नदी के तट एवं विंध्य पर्वत श्रृंखला में स्थित यह नगर प्राकृतिक सुन्दरता से युक्त है। संगमरमर के पत्थर यहां की विशेष पहचान है। इस शहर को विकसित करने के लिए सुनियोजित तरीके से इसका विकास किए जाने की

आवश्यकता है। जबलपुर की कलेक्टरेट भारत की पहली कलेक्टरेट बनी जिसे आईएसओः 9001 सर्टिफिकेट दिया गया।

11. इस स्थान की 1857 के आन्दोलन में भी भूमिका रही। 16.6.1857 को यहां के गदाधर तिवारी ने अंग्रेजों पर गोली चलाई और कुछ समय के लिए यहां के राजा शंकर शाही एवं उनके पुत्र रघुवंश शाही ने अंग्रेजों से लोहा लिया और स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभिक प्रयासों से संबंधित यादें इस शहर से जुड़ी हैं।

12. बहुत सारे तालाब एवं अनेक खनिज–सम्पदाओं से सम्पन्न यह नगर सामरिक दृष्टि से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां तोपगाड़ी बनाने का केन्द्रीय कारखाना, शस्त्र निर्माण कारखाना सहित एक शस्त्रागार स्थित है। शहर में रानी दुर्गावती जी का मदन महल किला स्थित है जो पहाड़ी पर है। इस शहर के समीप ही चौंसठ योगिनी मंदिर, धुआंधार जलप्रपात एवं भेड़ा घाट स्थित हैं जो दर्शनीय स्थलों में से एक हैं। इस शहर के वातावरण में स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिकता का समावेश है। **इसकी सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए आचार्य बिनोवा भावे ने इसे संस्कारधानी का नाम दिया था। प्रख्यात साहित्यकार सुभद्रा कुमारी चौहान एवं आदरणीय हरिशंकर परसाई जबलपुर से ही थे।**

13. मुझे अवगत कराया गया है कि प्रदेश में किसानों के लिए सोलर पम्प की खरीद पर 80 प्रतिशत की सब्सिडी का प्रावधान है। मैं यह भी मानती हूं कि सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से पंरपरागत ऊर्जा का संरक्षण होगा एवं सोलर एनर्जी का प्रयोग सुनिश्चित होगा। सड़क, बिजली, पानी जैसे Infrastructure development के पश्चात् सांसद निधि से कई ऐसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा सकते हैं जो सदैव याद किए जा सकें।

14. श्री राकेश जी द्वारा इस अल्पावधि में जबलपुर में बहुत से काम किए गए। ये वाकई प्रशंसनीय व प्रेरणादायी है। केन्द्र सरकार की तमाम योजनाओं के तहत कई विकास कार्य हुए हैं। इस शहर के विकास के लिए राकेश जी सतत् प्रयासरत हैं। उनकी कार्य के प्रति निष्ठा एवं ईमानदार प्रयास को स्वतः देखा जा सकता है। जबलपुर एयरपोर्ट का विस्तार, रेल सेवाओं में बढ़ोत्तरी, पर्यटन विकास की दिशा में प्रयास, रक्षा निर्माणियों के कर्मचारियों के हित में लिए गए कई कदम, नर्मदा महोत्सव, जैविक खेती का विकास इत्यादि विभिन्न विकास कार्यों में

राकेश जी महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। मैं राकेश जी को बधाई देती हूं जिन्होंने पूरे समर्पण व मनोयोग से अपने क्षेत्र में बीते दो वर्षों में इतना काम किया व उसे पुस्तक का रूप दिया गया जिससे अमीर–गरीब, छोटा–बड़ा, युवा एवं बुजुर्ग सभी तक उनके कार्यों की जानकारी पहुंचे और वे इस संबंध में अपने सुझाव, विचार और अभ्युक्ति (remarks) दे सकें।

15. एक सशक्त लोकतंत्र के केन्द्र में सजग नागरिक होते हैं और लोकतंत्र की गाड़ी अपने दो पहिए 'जनता' और 'जनप्रतिनिधि' के परस्पर सहयोग से ही आगे बढ़ती है। जनता एवं जनप्रतिनिधि के बीच जो परस्पर संवाद होता है, यही एक स्वस्थ लोकतंत्र को जीवन्तता प्रदान करता है। एक सफल जनप्रतिनिधि अपनी जनता के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करता है और उनके द्वारा की गई मांगों एवं दिए गए सुझावों को अपने द्वारा किए जाने वाले जनहित के कार्यों की प्राथमिकता को निर्धारित करने में उपयोग करता है। उन्हें जनता से जो प्रतिपुष्टि (feedback) मिलती है, वह संसदीय क्षेत्र के विकासात्मक कार्यों में एक प्रभावी एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसी वजह से राकेश सिंह जी का अपने कार्य का लेखा–जोखा देना बहुत ही प्रशंसनीय है।

16. मैं यहां की जनता से भी आह्वान करना चाहूंगी कि वे उनसे जबलपुर के विकास के लिए कुछ स्थायी एवं दीर्घावधि वाले कार्य कराने की सलाह दें। अब तो सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत कई कार्य जैसे डैम निर्माण, पुल निर्माण, स्टेडियम का जीर्णोद्धार, सोलर पैनल की स्थापना, एम्बूलेंस की खरीद, अस्पताल के रोगी वार्ड का निर्माण सहित कई जनहितकारी कार्य कराए जा सकते है। आशा है कि इनके सफल नेतृत्व में जबलपुर का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

धन्यवाद।

———————